केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ३ मार्च, २०१३ को होनेवाली मुख्य परीक्षा में भी पूछे जाने की संभावना है ।

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा

पूर्व कसौटी : सत्संग परिचय : प्रश्नपत्र - २

जनवरी, २०१३ **समय : दौपहर २.०० से ४.१५** **कुल गुणांक : ७५**

स्वामिनारायण BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत कीजिए ।**

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक ☐☐ महीना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरीक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर .....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (५)	
	६ (८)	
विभाग-१, कुल गुण (३८)		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (६)	
	९ (५)	
	१० (५)	
	११ (६)	
	१२ (६)	
विभाग-२, कुल गुण (३७)		

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં . . . . . .

ચેક૨ - નામ

☞ परीक्षार्थीओं को महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरीक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।

२. **बिना वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

३. दायीं ओर दिए गए अंक प्रश्न के गुण दर्शाते हैं ।

४. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।

५. मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पनों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहि होंगे ।

६. **परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखि गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

७. परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'डमी राईटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद गीनी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद मानी जाएगी ।

८. **परीक्षा खंड के बाहर** और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

विभाग - १ : किशोर सत्संग परिचय - प्रथम संस्करण, फरवरी - १९९९

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **(९)**

१. ''ये बहुत पुण्यात्मा पुरुष हैं ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

.....

२. ''तुमने जो भी किया होगा वह मेरे हित में किया होगा ।''

३. ''हमारे विरोधी हमें काठियावाड में त्रास दे रहे हैं किन्तु कच्छ का वातावरण सौहार्दपूर्ण है ।''

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) **(६)**

१. डभाण महायज्ञ में श्रीजीमहाराज ने कोठियों-भांडों को अपनी छड़ी से स्पर्श किया ।

.....

.....

.....

.....

२. मूर्ति में परमात्मा साक्षात् निवास करते हैं ।

३. गोरधनभाई की स्थिति अलौकिक थी ।

प्र. ३ 'भालचंद्र शेठ (भाईचंदभाई)' - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** **(५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(५)**

१. अक्षरानंद स्वामी को महंत बनाने से किस ने अपना अपमान समझा ?

.....

.....

२. कैसे नियमों का पालन न करके दु:ख मिलता है ?

३. गोपीनाथजी की मूर्ति किसको नित्य फूलों की माला देती थी ?

४. स्वरूपानंद स्वामी के हृदय में कब शांति छा गई ?

५. दीन जनों के प्रति कैसा होना चाहिए ?

प्र. ५ 'हीरा किसी रीति .....' - **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण लिखिए ।** **(५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र. ६ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । **(८)**

१. गायत्रीथी लक्ष .....

..... एज थाय ।

२. हमने है यज्ञ ..... शर्म किसके लिए॥

३. आहारनिद्रा ..... पशुभि: समाना:॥

४. ''बहिरिक्षणलोक ..... भजे सदा॥'' - इस श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।

विभाग - २ : प्रागजी भक्त - प्रथम संस्करण, नवम्बर - १९९८

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **(९)**

१. ''दूसरों के लिए एक बूंद भी नहीं छोड़ा ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

.....

२. ''आप सभा-मंडप में बैठकर अखंड कथा-वार्ता करें, भक्तों को सुख दे ।''

३. ''भगवान स्वामिनारायण की महिमा समझा कर सत्संगी बनाते हैं ।''

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) **(६)**

१. प्रागजी भक्त द्वारा गुणातीतानंद स्वामी सत्संग में प्रकट हैं ।

.....

.....

.....

.....

२. प्रागजी भक्त ने स्वामी का आशीर्वाद पाने के योग्य बनने का निश्चय किया ।

३. आचार्य महाराज ने पगड़ी बाँध कर भगतजी का सम्मान किया ।

प्र. ९ 'साक्षात्कार' - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** **(५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(५)**

१. आचार्य रघुवीरजी महाराज और बालभक्त प्रागजी की प्रथम भेट कहाँ और कब हुई ?

.....

.....

२. प्रागजी भक्त ने योग सिद्ध करने में किसको मात दे दी हैं ?

३. प्रागजी भक्त को श्रीजीमहाराज ने दर्शन देकर विष से हुई असहय गरमी ठीक होने का कैसा उपाय बताया ?

४. रंगाचार्य कोन थे ?

५. बड़े सद्‌गुरु क्यों लज्जित हुए ?

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **(६)**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. प्रागजी भक्त का अपमान किस किस ने किया था ?

(१) ☐ कमा शेठ (२) ☐ दामा शेठ

(३) ☐ हरिस्वरूपदासजी (४) ☐ फूलचंद शेठ

२. ऐश्वर्य दर्शन

(१) ☐ विठ्ठलभाई को महाराज स्वामी की मूर्ति अखंड दिखाई देने लगी ।

(२) ☐ नरसिंहभाई का काले विषधर नाग का विष उतारा ।

(३) ☐ कानजी दरजी की पुत्रवधू ठीक हो गई ।

(४) ☐ भगतजी ने एक-दूसरे को अंगूठा पकड़ाकर गढ़डा पहुँचा दिया ।

३. गुणातीतानंद स्वामी ने प्रागजी भक्त की महिमा किस किसको बताई ?

(१) ☐ अमईदास (२) ☐ वांसदा के दीवान

(३) ☐ बालमुकुंददासजी (४) ☐ धोरीभाई

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । **(६)**

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उदाहरण : जूनागढ में अपूर्व सम्मान : जूनागढ के अमीन हरिभक्त आचार्य जटाशंकर ने अपने शिष्य मणीलाल भट्ट से कहा, ''यह जागा भक्त जैसे चमार खाँट के ऊपर बैठे हैं और आचार्य उसे दण्डवत् करते हैं ।''

उत्तर : जूनागढ में अपूर्व सम्मान : जूनागढ के **नागर** हरिभक्त **डॉ. उमियाशंकर** ने अपने **गुरु बालमुकुन्ददासजी** से **पूछा**, ''यह **प्रागजी भगत** जैसे **दरजी गद्दी के** ऊपर बैठे हैं और **संत** उसे दण्डवत् करते हैं ।''

१. **रुग्णता का आशीर्वाद माँगा :** हे स्वामी ! मैनें आपसे और योगानन्द स्वामी से सुना है कि मान और मोटप में शाश्वत सुख नहीं है ।

उ. .....

.....

२. **गूदड़ी में लाल :** चैत्री पूनम के अवसर पर गुणातीतानंद स्वामी ने प्रागजी भक्त को खजूर का प्रसाद दिया, उनके सभी दोष मीटा दिए ।

३. **वांसदा के दीवान के साथ सत्संग :** भगतजी ने लीमडी ठाकोर को उपदेश दिया की 'जो भगवान का साक्षात्कार करना चाहता हो उनको हिरण की तरह भय से सावधान रहकर श्वान की तरह सोना चाहिए ।

४. **शास्त्री यज्ञपुरुषदासजी ने भगतजी को गुरु स्वीकार किया :** बलरामदासजी यज्ञपुरुषदासजी के जोडिया साधु थे । एकबार बलरामदासजी ने आचार्य महाराज से विनती की कि मुझे यज्ञपुरुषदासजी से श्रीजीमहाराज का खेस दिलवा दो ।

५. **भगतजी का मनमोहक व्यक्तित्व :** भगतजी ने प्राध्यापक महिधर शास्त्री को मिले । भगतजी ने ऐसे सत्पुरुष के साथ लगने को कहा जो भगवान के कल्याणकारी गुणों के धारक हैं । उन्होंने उन्हें यह निश्चय करा दिया कि जीवन का सही मूल्य ज्ञान को व्यवहार में लाना हैं ।

६. **मुझे स्वामिनारायण ने धारण कर रखा हैं :** एक बार भगतजी वांसदा के रावसाहब के अतिथि थें । भगतजी ने फौजदार के मन की बात को जानकर वचनामृत में बताए गए चार प्रकार के सत्पुरुषों के लक्षणों की बातें कही ।

* * *